आज का पुरुषार्थ, 5 May 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"परिस्थितियों को फूल मार्क्स लेकर पार करना है तो चारों ही सबजेक्ट में अव्वल आना है"*

हम सभी भगवान के अधिकारी बच्चे है। ज़रा ख्याल करे, कितनी ऊँची बात है यह। **भगवान हमारा, हम उसके।** जो कुछ उसका वह सब हमारा।

उसके सर्व सम्पत्ति पर हमारा सम्पूर्ण अधिकार। यह बात हम कभी भूले नहीं। उसके **सर्व शक्तियों पर हमारा अधिकार।** उसके **सम्पूर्ण ज्ञान** पर हमारा अधिकार। उसके **गुणों** पर हमारा अधिकार।

स्वयं उसपर हमारा अधिकार। उनके वरदानों पर हमारा अधिकार। अधिकार पन को कभी भूले नहीं। यह नशा बहुत बड़ा है पूरे संसार में।

कोई **राजा का भी बच्चा राजकुमार हो**, उसे यह नेचुरल नशा रहता है कि मैं राजकुमार हूँ। वह कभी इसे भूलता नहीं। चाहे वह गलियों में घूमने जाता हो, चाहे खेलता हो, चाहे पड़ता हो। चाहे कार्य करता हो।

हम भी अपने इस अधिकारी पन को भूलेंगे नहीं। जीवन में परिस्थितियाँ आती रहती है। परिस्थितियाँ आये, हम केवल यह संकल्प करे कि ...

" यह पेपर है .. इसमें questions आये है .. हमें केवल इसमें फूल मार्क्स लेने है "

... तो हर पेपर हमारे मार्क्स जमा कराने वाला हो जायेगा। हमें पीछे हटाने वाला नहीं। तो जो कुछ भी आये उसे पेपर समझो। और उसमें हमें अधिकतम मार्क्स पाके फूल पास होना है .. यह संकल्प कर ले।

" **पेपर क्यों आ रहे है** .. बाबा के बनने के बाद भी यह सब क्यों हो रहा है .. हमने तो सोचा था बाबा के बन गये .. बस .. अब सब समस्याओं से .. **विघ्न से हम मुक्त हो जायेंगे** .. परन्तु यह तो और भी बढ़ गये है "

... यह सोच सोच कर आप स्वयं को परेशान न कर दे। जितनी परीक्षाएं होते है, होशियार स्टूडेंट तो परीक्षाओं का आह्वान करते है। परीक्षाएं आये तो हमें भी पता चले और लोग भी देखे ...

" हम कितने बुद्धिमान है "

हमारे सामने भी परिस्थिति आये, परीक्षाएं आये, तो माया भी देखे, हम भी देखे और संसार भी देखे ...

" हम कितने शक्तिशाली है कि संसार में किसी को भी हमारी स्थिति बिगाड़ने की सामर्थ्य नहीं है "

तो ऐसा याद रखते हुए हम चारों ही सबजेक्ट में फूल मार्क्स लेंगे। चारों सबजेक्ट का बल ही एकसाथ मिलकर हमें परिस्थितियों से पार कराता है।

अगर परिस्थितियों ने हमें **ज्ञान को भूला दिया तो** परिस्थिति हम पर हावी हो जायेगी। यदि हम परिस्थितियों में यह भी भूल गये कि हमारा साथी कौन है, तो **ईश्वरीय मदद** से हम वंचित रह जायेंगे।

साथ ही सेवा में जब हम बहुत busy रहते है, निष्काम भाव से, जब हम सच्चे दिल से अपने को **निमित्त समझकर सेवा करते रहते है** तो सेवा का बल हमें परिस्थितियों से मुक्त रखता है।

जो बहुत सोचते है, जो खाली रहते है, जो निगेटिव हो गये है, जो उदास और परेशान रहते है, समस्यायें उनपर ही भारी पड़ती है।

लेकिन जो इस **जीवन को खेल समझते है**, बहुत प्रसन्न रहते है, बहुत हल्का रहते है, बहुत **पाजिटिव** रहते है, समस्यायें उनका साथ छोड़ जाती है। जब वह देखती है उनके साथ स्वयं भगवान है।

तो आज सारा दिन हम अभ्यास करेंगे तीनों लोकों में जाने का ...

" मैं आत्मा यहाँ से निकलकर चली सूक्ष्म लोक .. फ़रिश्ते रूप में .. बाबा ने अपनी हज़ार भुजाओं की छत्रछाया मेरे सिर पर लगा दी है "

फिर यहाँ से आत्मा बनकर चलेंगे परमधाम ...

" अब मैं बाप समान हूँ .. बाबा के वायब्रेशन्स के नीचे हूँ .. उनके वायब्रेशन्स मुझमें समा रहे है "

... फिर नीचे वापस आ जायेंगे। यह ड्रिल घन्टे में एकबार अवश्य करें ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org